एम.एच.डी.-23

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021

एम.एच.डी.-23 : मध्यकालीन कविता – 1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) चाँद जीभ मुख अमरित बानी ।
पान फूल रस पिरम कहानी ।।
पदुमनि वचन नींदि सुनि आवइ ।
दुख बरै सुख रैन बिहावइ ।।
अमरित कुण्ड भयउ मुख नारी ।
सहज बात रस बहै पौनारी ।।
कँवल क फूल जीभ तिंह माँहा ।
अधर बानि कहि आछै छाँहा ।।
बानि जैसि मुख जीभ अमोला ।
फूल झरहिं जो हँसि-हँसि बोला ।।
झँरका राउ रूपचन्द, धरहु धरहु चिल्लाइ ।
बानि फूल अँबरित जस चाँदा, अभै गई दिखराइ ।।

(ख) दया भाव हिरदै नहीं, भखहिं पराया मांस ।
ते नर नरकहिं जाइहिं, सत भाषै रैदास ।।

(ग) ऊधो ! इतनी कहियो जाय ।
अति कृसगात भई हैं तुम बिनु बहुत दुखारी गाय ।।
जल समूह बरसत अँखियन तें, हूँकत लीने नाँव ।
जहाँ जहाँ गोदोहन करते ढूँढ़त सोई सोई ठाँव ।।
परति पछार खाय तेहि तेहि थल अति व्याकुल ह्वै दीन ।
मानहुँ सूर काढ़ि डारे हैं बारि-मध्य तें मीन ।।

(घ) छीर जो चाहत चीर गहैं ए जू लेहु न केतक छीर अचैहौ ।
चखन के मिस माखन माँगत खाहु न माखन केतिक खैहौ ।
जनत हौं जिय की रसखानि सु काहे को एतिक बात बढ़ैहौ ।
गोरस के मिस जो रस चाहत सो रस कान्ह जू नेकु न पैहौ ।।

2. सगुण काव्यधारा के प्रमुख पारिभाषिक शब्दों का परिचय दीजिए । *10*

3. सूफ़ी शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए सूफ़ी काव्य परंपरा पर प्रकाश डालिए । *10*

4. निर्गुण काव्य परंपरा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए । *10*

5. सूरदास की भक्ति के दार्शनिक आधारों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) रसखान के काव्य में प्रेम

(ख) अष्टछाप

(ग) 'चेदायन' में अभिव्यक्त सामंती जीवन

(घ) उन्मन